50 साल बाद अमेरिका में नई रिफाइनरी

टेक्सास में बनेगी विशाल रिफाइनरी, रिलायंस भी करेगा निवेश

नई दिल्ली, 11 मार्च. पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और वैश्विक ऊर्जा बाजार में अनिश्चितता के बीच अमेरिका ने ऊर्जा क्षेत्र में एक ऐतिहासिक कदम उठाने की घोषणा की है. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बताया कि देश में लगभग 50 वर्षों के बाद एक नई ऑयल रिफाइनरी स्थापित की जाएगी.

इस परियोजना को करीब 300 अरब डॉलर यानी लगभग 25 लाख करोड़ रुपये के निवेश के साथ अमेरिका के इतिहास के सबसे बड़े ऊर्जा सौदों में से एक माना जा रहा है. ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर इस परियोजना को

यूरोप के देश को तेल खरीदना हैं, तो उन्हें अनुरोध करना होगा

पश्चिम एशिया में अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच जारी सैन्य संघर्ष और तेल कंपनियों पर लगातार हो रहे हमलों के बीच वैश्विक तेल संकट गहराता जा रहा है. इसी बीच रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने यूरोपीय देशों को तेल की आपूर्ति का प्रस्ताव दिया है. पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि यदि यूरोप के देश तेल खरीदना चाहते हैं, तो उन्हें रूस से सीधे संपर्क करना चाहिए और अनुरोध करना होगा.

अमेरिका की ऊर्जा सुरक्षा, रोजगार और औद्योगिक विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया. उन्होनें कहा -यह रिफाइनरी अत्याधुनिक तकनीक से लैस होगी और इसे दुनिया की सबसे स्वच्छ रिफाइनरियों में से एक बनाने का लक्ष्य रखा गया है. लेकिन रिलायंस इंडस्ट्रीज की ओर से इस परियोजना में भागीदारी को लेकर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है. 2024 में एलिमेंट फ्यूल्स ने लगभग 1,60,000 बैरल प्रतिदिन क्षमता वाली रिफाइनरी के निर्माण के लिए जमीन तैयार करने और आवश्यक परमिट हासिल करने की जानकारी दी थी. कंपनी ने बताया कि उसे फरवरी में एक वैश्विक ऊर्जा कंपनी से नौ अंकों का निवेश प्राप्त हुआ है, जिसके बाद कंपनी का मूल्यांकन दस अंकों तक पहुंच गया है.

एलपीजी की कोई कमी नहीं होगी : मंत्री हरदीप सिंह

पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने आश्वस्त किया है कि भारत में एलपीजी की कोई कमी नहीं होगी. पश्चिम एशिया में तनाव के बावजूद, सरकार विभिन्न स्रोतों और मार्गों से ईंधन का आयात कर रही है. घरेलू उपभोक्ताओं के लिए सीएनजी और पीएनजी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है और घबराने की कोई जरूरत नहीं है.

सोना-चांदी में आई बड़ी गिरावट

1000 रुपए नीचे आया सोना

5000 रुपए फिसली चांदी

नई दिल्ली, 11 मार्च. सोने और चांदी की कीमतों में पिछले कुछ दिनों से लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है. बुधवार को भी घरेलू वायदा बाजार में इन दोनों कीमती धातुओं की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई.

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सुबह के शुरुआती कारोबार में सोना करीब 1000 रुपये तक फिसल गया, जबकि चांदी में 5000 रुपये से अधिक की गिरावट देखी गई. सुबह करीब 11:45 बजे अप्रैल डिलीवरी वाला सोना लगभग 570 रुपये की गिरावट के साथ 1,62,733 रुपये प्रति 10 ग्राम

पर कारोबार कर रहा था. वहीं चांदी का भाव प्रति किलोग्राम 3710 रुपये गिरकर 2,74,140 रुपये पर पहुंच गया. हालांकि शुरुआती कारोबार के दौरान चांदी में गिरावट 5200 रुपये से ज्यादा तक पहुंच गई थी. विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक बाजारों में जारी अस्थिरता, डॉलर इंडेक्स में उतार-चढ़ाव और अमेरिका के महंगाई से जुड़े आंकड़ों के कारण सोना-चांदी की कीमतों में यह तेजी से बदलाव देखने को मिल रहा है. साथ ही मध्य-पूर्व में जारी तनाव भी बाजार की दिशा को प्रभावित कर रहा है. घरेलू वायदा बाजार में बुधवार को सोना और चांदी की कीमतों में तेज गिरावट देखने को मिली.

अंतरराष्ट्रीय बाजार में हालांकि सोने की कीमत में हल्की तेजी देखने को मिली. स्पॉट गोल्ड लगभग 0.3 प्रतिशत की बढ़त के साथ 5,208.08 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया. दूसरी ओर स्पॉट सिल्वर में मामूली गिरावट रही और यह 88.35 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करता दिखाई दिया. विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक आर्थिक संकेतों के कारण बाजार में मिश्रित रुख बना हुआ है. कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और महंगाई को लेकर कुछ राहत के संकेतों से निवेशकों की धारणा प्रभावित हो रही है.

फार्मा इंडस्ट्री पर ईरान युद्ध का दबाव

कच्चे माल की लागत 30प्रतिशत बढ़ने से बढ़ी चिंता

फार्मा इंडस्ट्री ने सरकार से राहत की मांग की

नई दिल्ली, 11 मार्च. ईरान में जारी युद्ध का असर अब सीधे आम लोगों की जेब पर पड़ सकता है. तेल और गैस की वैश्विक आपूर्ति पर संकट के बाद अब दवाओं की कीमतों में भी बढ़ोतरी की आशंका जताई जा रही है.

फार्मा उद्योग से जुड़े विशेषज्ञों का कहना है कि दवा निर्माण में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल, खासकर एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रेडिएंट्स और फार्मास्युटिकल सॉल्वेंट्स की कीमतों में पिछले दो हफ्तों में करीब 20 से 30 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हुई है. इस बढ़ोतरी की मुख्य वजह ईरान युद्ध के कारण पैदा हुआ शिपिंग संकट और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव को माना जा रहा है. भारत की दवा कंपनियां एपीआई के लिए काफी हद तक चीन पर निर्भर हैं, लेकिन शिपिंग लागत बढ़ने और कंटेनरों की कमी के कारण इनकी आपूर्ति प्रभावित होने लगी है.

अगर यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है तो पैरासिटामोल जैसी आम दवाओं से लेकर कई जरूरी दवाओं की कीमतों में बढ़ोतरी हो सकती है. फार्मा इंडस्ट्री ने सरकार से इस असाधारण स्थिति को देखते हुए सीमित रूप से दवाओं की कीमतों में बढ़ोतरी की अनुमति देने की मांग भी शुरू कर दी है.

कच्चे माल की कीमतों में बढ़ोतरी का असर कई महत्वपूर्ण रसायनों पर भी देखने को मिला है. उदाहरण के तौर पर, ग्लिसरीन की कीमत दिसंबर के मुकाबले करीब 64 प्रतिशत तक बढ़ चुकी है, जबकि पैरासिटामोल जैसे आम की कीमत में लगभग 26 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है. फार्मा विशेषज्ञों का कहना है कि फार्मास्युटिकल सॉल्वेंट्स पेट्रोकेमिकल्स से बनते हैं और मध्य-पूर्व में जारी संघर्ष के कारण तेल आपूर्ति पर असर पड़ने से इनकी कीमतें तेजी से बढ़ रही हैं.

ऐतिहासिक निचले स्तर से उबरा रुपया, 36 पैसे मजबूत

मुंबई, 11 मार्च. अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 36 पैसे मजबूत हुआ और ऐतिहासिक निचले स्तर से उबरकर कारोबार की समाप्ति पर 91.85 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ. पिछले कारोबारी दिवस पर भारतीय मुद्रा 39 पैसे टूटकर 92.21 रुपये प्रति डॉलर पर रही थी जो इसका अब तक का सबसे निचला स्तर है. रुपये में आज शुरू से ही तेजी रही. यह 28.50 पैसे की मजबूती के साथ 91.9250 रुपये प्रति डॉलर पर खुला. बीच कारोबार में इसमें काफी उतार-चढ़ाव देखा गया. यह ऊपर 91.7150 रुपये और नीचे 92.1925 रुपये प्रति डॉलर तक गया. अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं के बास्केट में डॉलर सूचकांक में नरमी से रुपये को समर्थन मिला.

देश में किफायती दामों पर है इंटरनेट उपलब्ध

डिजिटल इंडिया के माध्यम से डिजिटल इनक्लूजन के लिए तीन फंट पर काम किया : वैष्णव

नई दिल्ली, 11 मार्च. सरकार ने लोकसभा में कहा कि देश में किफायती दामों पर लोगों को इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध करायी जा रही है और वर्तमान में 103 करोड़ लोगों तक इंटरनेट की कनेक्टीविटी है जबकि 2014 में यह मात्र 25 करोड़ लोगों थी.

केंद्रीय इलेक्ट्रोनिकस एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्वनी वैष्णव ने लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान एक पूरक प्रश्न के उत्तर में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले दस वर्षों में सरकार ने डिजिटल इंडिया के माध्यम से डिजिटल इनक्लूजन के लिए तीन फ्रंट पर काम किया है. सबसे पहले इंटरनेट को सब तक पहुंच को बढाना, उसके दाम को

श्री वैष्णव ने कहा कि एआई सम्मेलन के दौरान रोबोट को लेकर जो विवाद उत्पन्न हुआ उस पर तुरंत कार्रवाई की गयी और उस विश्वविद्यालय के स्टाल को सम्मेलन स्थल से हटा दिया गया. केन्द्रीय मंत्री ने रेल मंत्रालय से संबंधित एक पूरक प्रश्न के जवाब में कहा कि मुंबई में रेल आधारभूत संरचना को मजबूत करने के लिए कई परियोजनाओं पर काम किया जा रहा है. सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने के लिए कवच परियोजना पर भी काम तेजी से चल रहा है.

कम करना और तीसरा डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध कराना शामिल है. उन्होंने कहा कि जहां 2014 में मात्र 25 करोड लोग इंटरनेट का इस्तेमाल करते थे वहीं आज 103 करोड़ लोगों तक इसकी पहुंच है. उन्होंने कहा कि आज भारत में इंटरनेट सबसे किफायती माना जाता है. उन्होंने कहा कि इंटरनेट के लिए वैश्विक स्तर पर जो औसत टैरिफ लगता है उससे 25 गुना भारत में कम है.

भारतीय शेयर बाजार फिर धड़ाम

सेंसेक्स 1,342.27 अंक लुढ़ककर 76,863.71 अंक पर

निफ्टी-50 सूचकांक भी 394.75 अंक यानी 23,866.85 अंक पर

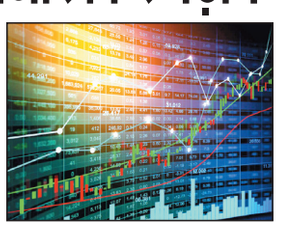

मुंबई, 11 मार्च. पश्चिम एशिया में अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच जारी सैन्य संघर्ष के दबाव में घरेलू शेयर बाजारों में बुधवार को एक बार फिर बड़ी गिरावट रही. बीएसई का सेंसेक्स 1,342.27 अंक (1.72 प्रतिशत) लुढ़ककर 76,863.71 अंक पर आ गया.

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 394.75 अंक यानी 23,866.85 अंक पर बंद हुआ. दोनों सूचकांकों का यह करीब 11 महीने का निचला बंद स्तर है. सेंसेक्स की शुरुआत बढ़त के साथ हुई थी और सुबह अधिकतर सूचकांक हरे निशान में थे. लेकिन बाद में गिरावट तेज होती गयी. मझौली और छोटी कंपनियों के सूचकांक भी लाल निशान में रहे. निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.66 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.36 प्रतिशत गिर गया. बैंकिंग, वित्त, ऑटो, रियलटी, रसायन, आईटी और एफएमसीजी सेक्टरों पर ज्यादा दबाव रहा. फार्मा, स्वास्थ्य और तेल एवं गैस सेक्टरों में तेजी रही. सेंसेक्स की कंपनियों में बजाज फाइनेंस का शेयर पांच प्रतिशत टूट गया. एक्सिस बैंक में चार फीसदी से ज्यादा की गिरावट रही.

प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भरता बढ़ाने के लिए भरोसे की जरूरत

नई दिल्ली, 11 मार्च. खनन क्षेत्र की अग्रणी कंपनी वेदांता के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल ने कहा कि भारत के पास प्रचुर प्राकृतिक संसाधन है, लेकिन उसका दोहन कर आयात पर निर्भरता कम करने के लिए व्यवसायों पर अधिक भरोसा करने की जरूरत है. पश्चिम एशिया में जारी संकट के देश पर पड़ रहे प्रभावों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारत को ऊर्जा और खनिजों के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने के लिए अपने विशाल प्राकृतिक संसाधनों की क्षमता का उपयोग करना होगा और उद्यमियों को बड़े स्तर पर काम करने की स्वतंत्रता देनी होगी. नीतिगत सुधार और नियामकीय सोच में बदलाव पर बल दिया और सरल नियमों, व्यवसायों पर अधिक भरोसे तथा लंबी अनुमोदन प्रक्रियाओं और मुकदमेबाजी की बजाय स्वप्रमाणन और ऑडिट आधारित व्यवस्था अपनाने की वकालत की.

यात्रियों से ठगी करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह का पर्दाफाश

अहमदाबाद, 11 मार्च. पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल में यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रेलवे सुरक्षा बल द्वारा निरंतर सतर्कता बरती जा रही है. इसी क्रम में आरपीएफ ने अहमदाबाद रेलवे स्टेशन पर यात्रियों से ठगी करने वाले एक अंतर्राज्यीय गिरोह के दो सक्रिय सदस्यों को पकड़कर अग्रिम कार्रवाई हेतु जीआरपी अहमदाबाद के सुपुर्द किया.

हाल ही में दो यात्रियों ने आरपीएफ पोस्ट अहमदाबाद पर शिकायत दर्ज कराई कि कुछ अज्ञात व्यक्तियों ने उन्हें यह कहकर झांसा दिया कि रेलवे परिसर में नकदी लेकर चलना प्रतिबंधित है तथा इसे रेलवे कार्ड में जमा करना आवश्यक है. इस बहाने से पहली घटना में एक यात्री से 12,000 नकद एवं एक मोबाइल फोन

ठग लिया गया, जबकि दूसरी घटना में एक अन्य यात्री से 3,000 नकद, मोबाइल फोन तथा उसके बैंक खाते से लगभग 1,00,000 की धोखाधड़ी की गई. घटना की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त, अहमदाबाद के मार्गदर्शन में निरीक्षक/ आरपीएफ अहमदाबाद के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया. टीम द्वारा स्टेशन परिसर के सीसीटीवी फुटेज की गहन जांच करने पर चार संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान हुई, जिनका विवरण अपराध शाखा एवं जीआरपी के साथ साझा किया गया. आरपीएफ टीम के एएसआई मान सिंह, सीटी मंजीत कुमार तथा सीआईबी स्टाफ द्वारा स्टेशन परिसर में सघन तलाशी अभियान चलाया गया, जिसके दौरान दो संदिग्धों को पकड़ा गया.

समाचार विशेष

जेडीयू ज्वाइन करते ही फार्म में आए निशांत!

नीतीश कुमार को लेकर दिया बड़ा बयान, बता दिया अपना पूरा प्लान

पटना. बिहार के मुखिया नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार ने गत रविवार को जनता दल यूनाइटेड की सदस्यता ग्रहण कर ली है. पार्टी के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय कुमार झा ने निशांत को सदस्यता दिलाई. इस दौरान निशांत कुमार ने पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं को संबोधित भी किया है.

निशांत कुमार ने कहा कि मैं एक सक्रिय सदस्य के तौर पार्टी का पूरा खयाल रखने का प्रयास करूंगा. पिताजी ने राज्यसभा जाने का फैसला किया है और मैं उसका आदर करता हूं. पार्टी और जनता ने मुझ पर जो विश्वास किया है मैं उस पर खरा उतरने की कोशिश करूंगा. पिताजी ने 20 साल में किया जो कुछ किया है, उसे मैं जन-जन तक पहुंचाने की कोशिश

करूंगा.

निशांत कुमार ने सभी से अनुरोध किया कि वे नीतीश कुमार पर अपना विश्वास बनाए रखें. मैं पार्टी को और मजबूत करने की कोशिश करूंगा. मैं लोगों के दिलों में जगह बनाने की कोशिश करूंगा. मैं मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में काम करूंगा. उन्होंने आगे कहा कि वह एक एक्टिव सदस्य के तौर पर पार्टी की देखभाल करने की कोशिश करेंगे. निशांत कुमार ने कहा कि उनके पिता ने जो कुछ भी किया है, उस पर पूरे देश और बिहार को गर्व है.

निशांत पार्टी का भविष्य : कुशवाहा

इससे पहले सदस्यता कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जेडीयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा ने कहा कि इस ऐतिहासिक मौके पर महापुरुष और हमारे नेता नीतीश कुमार के बेटे इंजीनियर निशांत कुमार जेडीयू में शामिल हो रहे हैं. सच तो यह है कि आज उनका पार्टी में शामिल होना सिर्फ एक औपचारिकता मात्र है. उन्होंने आगे कहा कि जनता दल (यूनाइटेड) निशांत कुमार की हर सांस में बसी है. लाखों पार्टी कार्यकर्ताओं की आवाज सुनकर निशांत ने पार्टी में शामिल होने का फैसला किया है. उन्होंने यह भी कहा कि निशांत कुमार पार्टी का भविष्य हैं.

सुनेत्रा पवार अध्यक्ष बन गईं, आगे क्या होगा

मुंबई. महाराष्ट्र की उप मुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार अब एनसीपी की राष्ट्रीय अध्यक्ष भी हो गई हैं. सवाल है कि अब आगे क्या होगा? आगे सबसे अहम काम जो होना था वह पार्टी के विलय का है.

शरद पवार का खेमा विलय करने के लिए तैयार है. लेकिन जयंत पाटिल के साथ कई बार की बातचीत में जो सहमति बनी थी उसी सहमति पर विलय हो सकता है? उस समय शरद पवार, उनकी बेटी सुप्रिया सुले और बाकी सारे नेता इस बात के लिए तैयार थे कि अजित पवार राष्ट्रीय अध्यक्ष रहें और शरद पवार संयोजक या संरक्षण की भूमिका निभाएं. लेकिन क्या यही फॉर्मूला सुनेत्रा पवार के साथ चलेगा? ध्यान रहे प्रफुल्ल पटेल पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष हैं और काम चल रहा था लेकिन आननफानन में सुनेत्रा पवार का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनना यह दिखता है कि वे पार्टी पर पूरा कंट्रोल रखना चाहती हैं. इस बीच राज्यसभा के लिए उम्मीदवार भी तय करना है. सुनेत्रा पवार जब इस्तीफा देंगी और उनकी सीट पर उपचुनाव होगा तब बचे हुए चार साल के कार्यकाल के लिए कौन जाएगा यह फैसला होगा.

पशुपति पारस का राजनीति से संन्यास का संकेत!

नई दिल्ली. राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (रालोजपा) के भीतर मचे घमासान और हाशिए पर जाती पार्टी को बचाने के लिए पूर्व केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस ने बड़ा दांव खेला है. दिल्ली में आयोजित पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में पारस ने आधिकारिक रूप से नेतृत्व परिवर्तन की घोषणा की.

पार्टी के राजनीतिक वजूद को बनाए रखने के लिए अब युवा नेतृत्व पर भरोसा जताया गया है. पशुपति पारस ने इस बैठक में स्पष्ट किया कि वर्तमान चुनौतियों से निपटने के लिए नई ऊर्जा की आवश्यकता है, जिसे ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है.

पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और समस्तीपुर के पूर्व सांसद प्रिंस राज पासवान को रालोजपा का नया कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया गया है. प्रिंस राज, दिवंगत नेता रामचंद्र पासवान के पुत्र हैं और चिराग पासवान के चचेरे भाई हैं. उनकी नियुक्ति को पार्टी के भीतर बिखराव रोकने और दलित वोट बैंक को एकजुट रखने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है. प्रिंस राज के कंधों पर अब उस

विरासत को संभालने की जिम्मेदारी है जिसे पशुपति पारस ने चिराग पासवान से अलग होकर गढ़ा था.

बैठक में लिए गए फैसले के अनुसार, प्रिंस राज अभी कार्यकारी भूमिका में रहेंगे. अगले दो महीनों के भीतर पार्टी की पुन: एक उच्चस्तरीय बैठक बुलाई जाएगी, जिसमें संगठनात्मक चुनावों और नियमानुसार प्रक्रियाओं को पूरा कर उन्हें औपचारिक रूप से राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित किया जाएगा. यह समय प्रिंस राज के लिए अग्निपरीक्षा जैसा होगा, क्योंकि उन्हें पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच अपनी स्वीकार्यता साबित करनी होगी और अगले चुनावों के लिए गठबंधन की राह तलाशनी होगी.

विरासत की जंग और भविष्य की चुनौतियां

बिहार की राजनीति में पासवान विरासत पर कब्जे की जंग अब नए मोड़ पर है. एक तरफ चिराग पासवान अपनी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के साथ एनडीए के भीतर मजबूत स्थिति में हैं, वहीं रालोजपा अपने वजूद की लड़ाई लड़ रही है. प्रिंस राज के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह होगी कि वे पार्टी को चिराग की छाया से बाहर निकालकर एक स्वतंत्र पहचान दिला सकें. क्या पारस का यह बलिदान और युवा नेतृत्व को कमान सौंपने का फैसला पार्टी को पुनर्जीवित कर पाएगा, यह आने वाले कुछ महीनों में साफ हो जाएगा.

विशेष | हरियाणा राज्यसभा चुनाव में फंस सकती है कांग्रेस

दो सीट तीन उम्मीदवार, भाजपा ने कर दिया गेम!

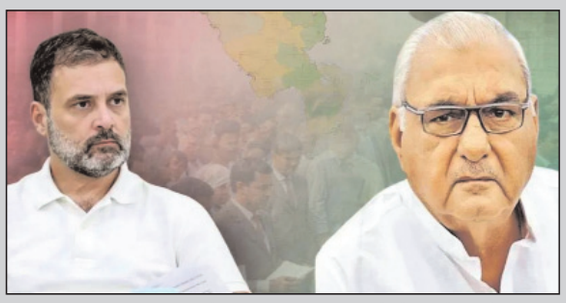

चंडीगढ़. हरियाणा की दो रिक्त सीटों के लिए होने वाला चुनाव अब और भी दिलचस्प हो गया है. राज्यसभा में तीन उम्मीदवार होने की वजह से अब वोटिंग कराई जाएगी, इन तीन उम्मीदवारों में बीजेपी के संजय भाटिया, कांग्रेस के कर्मवीर सिंह बौद्ध और निर्दलीय उम्मीदवार सतीश नांदल हैं.

ऐसा माना जा रहा है कि निर्दलीय उम्मीदवार सतीश नांदल को भाजपा का समर्थन है. गौरतलब है कि नांदल 2019 के विधानसभा चुनाव में भाजपा की तरफ से मौदान में उतरे थे लेकिन जीत नहीं पाए थे.

इस चुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार सतीश नांदल की एंट्री से कांग्रेस को बड़ा नुकसान हो सकता है. राज्य में भाजपा के 48 विधायक हैं और कांग्रेस के पास 37 विधायक हैं जबकी दो विधायक इंडियन नैशनल लोकदल के हैं और तीन निर्दलीय हैं. ऐसे में राज्यसभा की एक सीट के लिए 31 विधायकों का समर्थन चाहिए हालांकि कांग्रेस के पास 37 विधायक हैं जिससे कांग्रेस की एक सीट तो पक्की मानी जा रही है लेकिन क्रॉस वोटिंग की स्थिति में हालात बदल सकते हैं. वहीं नांदल को जीत के लिए भाजपा के दूसरी प्राथमिकता वाले 17 वोट चाहिए होंगे, साथ ही कांग्रेस के कम से कम 8 वोट और दो इनलो विधायकों के वोट चाहिए होंगे. अब सतीश नांदल को निर्दलीय विधायकों के वोट तय माने जा रहे हैं क्योंकि जब सतीश नामांकल दाखिल करने पहुंचे तब उनके साथ निर्दलीय विधायक सावित्री जिंदल, राजेश जून और देवेंद्र कादयान साथ थे और ऐसा माना जाता है कि इन तीनों को भाजपा के नायब सिंह सैनी सरकार का समर्थन है.

निर्दलीय उम्मीदवार सतीश नांदल ने क्रॉस वोटिंग के सवाल पर कहा कि वह किसी खास दल पर निर्भर नहीं हैं और सभी विधायकों से समर्थन मांगेंगे. उन्होंने चुनाव लड़ना अपना संवैधानिक अधिकार बताया. वहीं कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने भरोसा जताया कि कांग्रेस के पास पर्याप्त वोट हैं. गौरतलब है कि नांदल पहले भूपिंदर सिंह हुड्डा के खिलाफ भी चुनाव लड़ चुके हैं.

क्या हो सकती है क्रॉस वोटिंग?- दरअसल, क्रॉस वोटिंग की संभावनाएं तब और बढ़ गईं जब सिरसा के कांग्रेस विधायक गोकुल सेतिया के निवास पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी खुद पहुंचे.

2024 में हुआ था खेला

उत्तर प्रदेश में 2024 में हुए राज्यसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी को बड़ा झटका लगा था. इस चुनाव में सपा के तीन उम्मीदवारों ने क्रॉस वोटिंग की थी. जिसकी वजह से भाजपा के आठवें उम्मीदवार को जीत मिली थी. ऐसा ही हिमाचल प्रदेश में भी देखने को मिला था जिसके चलते बहुमत होने के बावजूद कांग्रेस के उम्मीदवार अभिषेक मनु सिंघवी को हार का सामना करना पड़ा था.